आप आज के सिवाय किसी और दिन कुछ भी नहीं कर सकते

परमेष्वर आपको अपने पुत्र, यीषु के स्वरूप में रूपांतरित करना चाहता है। यह संभव है कि आप जीवन परिवर्तित करने वाले इस अनुभव का आरम्भ आज ही कर दें। किसी बुद्धिमान व्यक्ति ने कहा कि हज़ारों मील लम्बी यात्रा का आरम्भ पहले कदम से होता है। यदि आप पहला कदम उठाने और प्रार्थना करने के लिए तैयार हैं, तो परमेष्वर भी रूपांतरण की प्रक्रिया को आज ही आरम्भ करने के लिए तैयार है। आगे बढ़ें; ऐसा व्यक्ति बनें जो परमेष्वर पर भरोसा रखता है और अपने विष्वास को क्रियात्मक रूप देता है।

आप आज के सिवाय किसी और दिन कुछ भी नहीं कर सकते। आज आपका दिन है! इसे थाम लें।

आज के लिए प्रार्थना

हे परमेष्वर, मुझे ऐसा व्यक्ति बनाएं जिससे आप अति प्रसन्न होते हों और रूपांतरण को आज ही आरम्भ कर दें। मुझे जीवन की चुनौतियों का सामना करने का अनुग्रह दें, यह जानते हुए कि आप मेरे साथ हैं, और आपके सर्वोत्तम में आगे बढ़ने के लिए मेरा मार्गदर्षन कर रहे हैं।

आज के लिए वचन

भजन 95:7 क्योंकि वही हमारा परमेश्वर है, और हम उसकी चराई की प्रजा, और उसके हाथ की भेड़ें हैं।। भला होता, कि आज तुम उसकी बात सुनते!

रोमियों 12:2 और इस संसार के सदृश न बनो; परन्तु तुम्हारी बुद्धि के नये हो जाने से तुम्हारा चाल–चलन भी बदलता जाए, जिस से तुम परमेश्वर की भली, और भावती, और सिद्ध इच्छा अनुभव से मालूम करते रहो।

आप अपनी वस्तुओं का जिस प्रकार उपयोग करते हैं, दर्षाता है कि आप कौन हैं और क्या प्रतीति करते हैं

क्या आपका अनुमान लगाया जा सकता है? मनुष्य अपने जीवन के फलों के द्वारा जाना जाता है। इस प्रकार यह उचित है कि हमारा न्याय उन कामों के आधार पर किया जाए जो हमने अतीत में किए हैं। कोई आपसे उन कामों से भिन्न काम करने की अपेक्षा क्यों करे जो आप हमेषा से अतीत में करते आ रहे हैं? सही काम करना आरम्भ करने के लिए तब तक प्रतीक्षा करना पर्याप्त नहीं है जब तक सब कुछ सुधर न जाए।

आप अपनी वर्तमान वस्तुओं का जिस प्रकार उपयोग करते हैं, सचमुच निर्धारित करता है कि आप कौन हैं और क्या प्रतीति करते हैं। यदि आप इससे प्रसन्न नहीं हैं, तो बदलें। आज अपने जीवन का एक नया अध्याय लिखना आरम्भ करें।

आज के लिए प्रार्थना

हे पिता, मैं जानता हूँ कि आज मैं ऐसे बीज बो रहा हूँ जो मेरे भविष्य की फसल निर्धारित करेंगे। हे प्रभु मेरी सहायता करें कि मैं धीरज रखूँ, कृपालू बनूँ और दूसरों के बारे में सोचूँ, और जो मेरे पास है उसका उपयोग करूँ, जहां मैं हूँ वहीं से आरम्भ करूँ, और आपके लिए अपना सर्वोत्तम करूँ।

आज के लिए वचन

लूका 16:10 जो थोड़े से थोड़े में सच्चा है, वह बहुत में भी सच्चा है: और जो थोड़े से थोड़े में अधर्मी है, वह बहुत में भी अधर्मी है।

इफिसियों 6:8 क्योंकि तुम जानते हो, कि जो कोई जैसा अच्छा काम करेगा, चाहे दास हो, चाहे स्वतंत्र; प्रभु से वैसा ही पाएगा।

जबकि क्षमा करते समय क्षमादानी को कीमत चुकानी पड़ सकती है, वहीं पुनःस्थापना करना अपराधी की जिम्मेदारी है

क्षमा और पुनःस्थापना में बहुत अंतर है। क्षमा एक हक़ है। पुनःस्थापना एक जिम्मेदारी है। प्रत्येक अपराधी को परमेष्वर की ओर से यह हक़ मिला है कि उन्हें उनके अपराध के लिए क्षमा किया जाए और प्रत्येक विष्वासी को क्षमा करने का आदेष मिला है, क्योंकि हमारे अपराध भी क्षमा किए गए हैं। तथापि, क्षमा पुनःस्थापना के तुल्य नहीं है। किसी भी टूटे संबंध की पुनःस्थापना तभी होती है जब अपराधी अपने अपराध के लिए जिम्मेदारी स्वीकार करता है और यदि संभव हो तो पुनःस्थापना करने के लिए सभी वास्तविक और सार्थक प्रयास करता है। मन फिराव का सच्चा ह्दय और टूटापन इस बात के सूचक हैं कि अपराधी क्षमा प्राप्ति का मूल्य समझता है और निर्णय ले रहा है कि भविष्य में ऐसा अपराध दोबारा कभी नहीं करेगा। यदि आपको किसी के द्वारा ठेस पहुंची है, तो उसे क्षमा कर दें। तथापि, यदि आपने कोई अपराध किया है और आपको क्षमा मिल चुकी है, तो अपनी जिम्मेदारी स्वीकार करें। पुनःस्थापना का प्रत्येक संभव प्रयास करें और निर्णय लें कि भविष्य में ऐसा अपराध दोबारा कभी नहीं करेंगे। शायद परमेष्वर आपके द्वारा तोड़े गए संबंध को पुनःस्थापित कर दे।

आज के लिए प्रार्थना

हे प्रिय प्रभु, कृपया मुझे अनुग्रह दें कि जब लोग मेरी उम्मीदों पर ख़रे नहीं उतरते या मुझे ठेस पहुंचाते हैं तो मैं उन्हें क्षमा कर सकूं। मुझे स्वेच्छा दें कि मैं इन अपराधियों के साथ अपने संबंध पुनःस्थापित कर सकूं। साथ ही, हे पिता, मुझे अनुग्रह और दीनता दें कि मैं उनके साथ भी संबंध पुनःस्थापित कर सकूं जिन्हें मैंने ठेस पहुंचाई है। आपका धन्यवाद प्रभु, आमीन।

आज के लिए वचन

मत्ती 6:14, 15 इसलिये यदि तुम मनुष्य के अपराध क्षमा करोगे, तो तुम्हारा स्वर्गीय पिता भी तुम्हें क्षमा करेगा। और यदि तुम मनुष्यों के अपराध क्षमा न करोगे, तो तुम्हारा पिता भी तुम्हारे अपराध क्षमा न करेगा।

नीतिवचन 18:19 चिढ़े हुए भाई को मनाना दृढ़ नगर के ले लेने से कठिन होता है, और झगड़े राजभवन के बेंडों के समान हैं।

हमारा भविष्य इस बात से निर्धारित हो सकता है कि हम कैसे लोगों से जुड़े हैं

नूह की तीन बहूएं जलप्रलय में नाष होने से बच गईं और एक अद्भुत नए संसार की माताएं बनी। उनकी प्रसिद्धि का कारण क्या था? और कुछ नहीं केवल एक साधारण निर्णय : हम अपना जीवन किस के साथ जोड़ेंगी? प्रतिदिन लोग दूसरों के साथ काम करने, सहभागिता करें, विवाह करने या घनिष्ठ मित्र बनने के निर्णय लेते हैं, ऐसे लोग जो उन पर अच्छा या बुरा, सफलता या असफलता का प्रभाव डालेंगे।

हमारा भविष्य इस बात से निर्धारित होगा कि हम कैसे लोगों से जुड़ें हैं। यह भी सच है कि जिन लोगों के साथ हमारे संबंध हैं उन पर हम भी प्रभाव डालते हैं। लोहा लोहे को धारदार भी बना सकता है और धार खत्म भी कर सकता है। आप किन लोगों से जुड़े हैं? इस सत्य की रौषनी में अपने संबंधों को जांचें।

आज के लिए प्रार्थना

हे प्रिय प्रभु, मैं प्रार्थना करता हूँ कि सही चयन करने में आप मेरी अगुवाई करें कि मैं किन लोगों के साथ अपने संबंध बनाऊँ और दृढ़ करूँ। मुझे बुद्धिमानी से मित्रों का चयन करना सिखाएं और मुझे ऐसा मित्र और सहभागी बनने में सहायता करें जैसा दूसरों के लिए आवष्यक है ताकि हम आपके लिए अपना सर्वोत्तम कर सकें। हे प्रभु मुझे गलत प्रभाव से बचाए रखें।

आज के लिए वचन

1 कुरिन्थियों 15:33 धोखा न खाना, बुरी संगति अच्छे चरित्र को बिगाड़ देती है।

नीतिवचन 4:14 दुष्टों की बाट में पांव न धरना, और न बुरे लोगों के मार्ग पर चलना।

जीवन का एक चक्र है – जो कुछ आरम्भ होता, उसका अंत भी होता है

जीवन का प्रत्येक मौसम हमारे सामने ऐसे अवसर लाता है कि हम उन बातों से आगे बढ़ें जो अतीत में हमारे लिए अच्छी थीं, जो हमें यहां तक ले आई हैं और हम उन बातों को गले लगाएं जो हमें यहां से आगे ले जाएंगी। जीवन और इसकी उलझनों के लिए पूर्णतः तैयार रहने के लिए हमें अपने आप को और दूसरों को यह सत्य सिखाना होगा।

जीवन का एक चक्र है – जो कुछ आरम्भ होता है, उसका अंत भी होता है। सारी मनुष्यजाति के लिए परमेष्वर की पद्धति यही है। तथापि एक बात सदैव स्थिर रहेगी, परमेष्वर का वचन।

आज के लिए प्रार्थना

हे प्रिय प्रभु, मुझे मेरे जीवन के मौसमों को पहचानने का अनुग्रह दें। यह जानने में मेरी सहायता करें कि मैं कब कौन सा काम बंद कर दूँ और कौन सा आरम्भ करूँ। जीवन के परावर्तनों में मुझे शांति दें और मुझे मेरे महानतम दिन की ओर ले चलें।

आज के लिए वचन

सभोपदेषक 3:1–2 हर एक बात का एक अवसर और प्रत्येक काम का, जो आकाश के नीचे होता है, एक समय है। जन्म का समय, और मरन का भी समय; बोने का समय; और बोए हुए को उखाड़ने का भी समय है।

1 पतरस 1:24–25 क्योंकि हर एक प्राणी घास के समान है, और उस की सारी शोभा घास के फूल के समान हैः घास सूख जाती है, और फूल झड़ जाता है। परन्तु प्रभु का वचन युगानुयुग स्थिर रहेगाः और यह ही सुसमाचार का वचन है जो तुम्हें सुनाया गया था।

जीवन का एक चक्र है – जो कुछ आरम्भ होता, उसका अंत भी होता है
जीवन का एक चक्र है – आरम्भ और अंत होने के बीच में, उतार–चढ़ाव आते हैं

जीवन का सफर समतल मार्ग और उबड़–खाबड़ रास्तों; मोड़ों और सीधी राहों; पहाड़ियों और मैदानों से भरा पड़ा है। यूसुफ के समान, जन्म और मृत्यु के बीच हम भी अच्छे और कठिन समयों का अनुभव करेंगे। यह आपका चयन है कि आप अपना ध्यान किस पर लगाएंगे। दृष्टिकोण ही सबकुछ है। क्या गिलास आधा भरा हुआ है या आधा खाली है? क्या यह आपकी समस्या है या आपका अवसर? यह निर्णय आपको लेना है।

जीवन का एक चक्र है – जो कुछ आरम्भ होता, उसका अंत भी होता है। जीवन का एक चक्र है – आरम्भ और अंत होने के बीच में, उतार–चढ़ाव आते हैं। निराष न हो जाएं, परमेष्वर अभी भी अपने सिहांसन पर विराजमान है।

आज के लिए प्रार्थना

हे परमेष्वर, मेरी सहायता करें कि मैं कठिन समय में निर्बल न हो जाऊँ। यह जानने का बल मुझे दें कि मोड़ मुड़ते ही, पहाड़ी चढ़ते ही, जब दिन का उजाला होगा, तब भी आप अपने सिहांसन पर विराजमान होंगे और सबकुछ मिलकर मेरे लिए भलाई ही को उत्पन्न करेगा।

आज के लिए वचन

भजन 34:19 धर्मी पर बहुत सी विपत्तियां पड़ती तो हैं, परन्तु यहोवा उसको उन सब से मुक्त करता है।

भजन 27:13 यदि मुझे विश्वास न होता कि जीवितों की पृथ्वी पर यहोवा की भलाई को देखूंगा, तो मैं मूर्च्छित हो जाता।

जीवन का एक चक्र है, जीवन का एक चक्र है और जीवन का एक भेद भी है – आप जो बोते हैं वही काटते हैं!

उत्पत्ति 1 में जीवन का नियम कहता है कि सब वस्तुएं अपने जैसी वस्तुओं को पुनरुत्पादित करती हैं, उनके बीज उन्हीं में ही होते हैं और अपने जैसे ही फल भी लाते हैं। फसल प्राप्त करने के कोई गहरे या गुप्त भेद नहीं हैं। जितनी फसल आप काटना चाहते हैं उसके अनुसार बीज बोएं, बीज की सिचांई करें, बगीचे में से घास फूस निकालें और धीरज के साथ फल की प्रतीक्षा करें। यह केवल स्वाभाविक क्षेत्र में ही कार्य नहीं करता बल्कि आत्मिक क्षेत्र में भी यह एक सच्चाई है।

जीवन का भेद यही है कि आप जो बोते हैं वही काटते हैं। आप अपने जीवन से क्या चाहते हैं? क्या यह कि लोग आपके साथ कृपालु और मित्र बनें; कि बुनियादी कामों में आपको सहायता मिले; कि दूसरों के बीच आपका नाम हो या तरक्की मिले; प्रोत्साहन मिले; आपके घर में शांति आए; आपके हृदय में आनन्द आए; आपके भविष्य के लिए धन आए? बोएं!

आज के लिए प्रार्थना

हे प्रभु, मुझे वे क्षेत्र दिखाएं जहां मैने ऐसे बीज बोए हैं जिनकी फसल मैं नहीं काटना चाहता और वे उन क्षेत्रों में मुझे असफलता की फसल देंगे.....तब हे प्रभु, मुझे अपने जीवन के बगीचे में नए बीज बोने का समय और बुद्धि दें। हे प्रभु, मुझे याद दिलाएं कि मैं अपने प्रत्येक विचार, शब्द और कार्य के द्वारा अपने भविष्य के लिए और अपने परिवार के भविष्य के लिए बीज बो रहा हूँ।

आज के लिए वचन

उत्पत्ति 8:22 अब से जब तक पृथ्वी बनी रहेगी, तब तक बोने और काटने के समय, ठंड और तपन, धूपकाल और शीतकाल, दिन और रात, निरन्तर होते चले जाएंगे।

इफिसियों 6:8 क्योंकि तुम जानते हो, कि जो कोई जैसा अच्छा काम करेगा, चाहे दास हो, चाहे स्वतंत्र; प्रभु से वैसा ही पाएगा।

गलातियों 6:7 धोखा न खाओ, परमेश्वर ठट्ठों में नहीं उड़ाया जाता, क्योंकि मनुष्य जो कुछ बोता है, वही काटेगा।

अस्थाई परिस्थिति को लेकर उससे चिरस्थाई समस्या उत्पन्न न करें

लगभग प्रतिदिन हमारे सामने जीवन की छोटी छोटी चुनौतियों को लेकर परेषान हो जाने के अवसर आते हैं। घर, स्कूल, दफ्तर या मित्रों के साथ हम दबाव का सामना करते हैं। निरंतर आने वाली इन परेषानियों का समाधान न करने से ये दबाव बढ़कर ऐसी समस्याएं बन जाएंगे जिन्हें संभालना कठिन हो जाएगा।

उदाहरणार्थ, विवाह को ही देख लें, बहुत सारे दम्पत्ति अलग हो जाते हैं और ऐसी असंगत भिन्नताओं के कारण तलाक दे देते हैं जिनका आरम्भ छोटी छोटी असहमतियों से हुआ था। जल्दबाज़ी या संयम की कमी के कारण राई का पहाड़ न बनाने लग जाएं। अस्थाई परिस्थितियों को लेकर उनसे चिरस्थाई समस्याएं उत्पन्न करने की आदत न बना लें। उसकी बजाय, प्रार्थना करें और जीवन को सही दृष्टिकोण पर ले आएं।

आज के लिए प्रार्थना

हे प्रभु आज फिर मुझे आपकी सहायता की आवष्यकता है। मेरी सहायता करें कि मैं जीवन की दैनिक समस्याओं और दबावों के कारण परेषान न हो जाऊँ। मुझे संयम सिखाएं और याद दिलाते रहें कि जितनी

बातें मुझे प्रभावित करती हैं वे सब मुझ से संबधित नहीं हैं। मुझे निर्माता बनाएं, विध्वंस्क नहीं, और बड़ी तस्वीर देखने में मेरी सहायता करें।

आज के लिए वचन
गलातियों 5:22–26 पर आत्मा का फल प्रेम, आनन्द, मेल, धीरज, और कृपा, भलाई, विश्वास, नम्रता, और संयम हैं; ऐसे ऐसे कामों के विरोध में कोई व्यवस्था नहीं। और जो मसीह यीशु के हैं, उन्होंने शरीर को उस की लालसाओं और अभिलाषों समेत क्रूस पर चढ़ा दिया है। यदि हम आत्मा के द्वारा जीवित हैं, तो आत्मा के अनुसार चलें भी। हम घमंडी होकर न एक दूसरे को छेड़ें, और न एक दूसरे से डाह करें।

जीविका कमाएं, जीवन बनाएं, भिन्नता लाएं

कुछ लोग जीविका कमाने में इतना अधिक समय बिताते हैं कि वे जीवन बनाना भूल जाते हैं। उनकी कमाई बहुत अच्छी है और कम्पनी तथा समाज में उनका बहुत सम्मानजनक स्थान है, परन्तु उनके बच्चे, माता–पिता तथा मित्र उन्हें वास्तव में जानते ही नहीं हैं। अन्य लोग यह समझ जाते हैं कि ज़िंदगी में केवल धन कमाना और चीजें खरीदना ही पर्याप्त नहीं है। वे अपने कमाए हुए धन के द्वारा जीवन बनाने के लिए समय और ऊर्जा का निवेष करते हैं। परन्तु जीवन यहीं नहीं रूक जाता।

परमेष्वर ने हमें एक उद्देष्य के साथ रचा है। हमें परमेष्वर के वचन और आत्मा से प्रेरणा मिलती है कि हम जीविका कमाएं और जीवन बनाएं ताकि हम भिन्नता ला सकें। वास्तविक और स्थाई भिन्नता लाने के लिए आप क्या कर रहे हैं?

आज के लिए प्रार्थना
हे प्रभु, मुझे जीवन की प्राथमिकताएं दर्षाएं। मुझे आपके वचन में से सिद्धांतों का उपयोग करके बेहतर जीविका कमाना, बेहतर जीवन बनाना और बहुत बड़ी भिन्नता लाना सिखाएं। मेरी सहायता करें कि कब मुझे हाँ कहना है और कब न कहना है। मुझे गलत दौड़ दौड़ने से बचाएं और मुझे मेरे महानतम दिन की ओर ले चलें।

आज के लिए वचन
2 थिस्सलुनीकियों 3:10 और जब हम तुम्हारे यहां थे, तब भी यह आज्ञा तुम्हें देते थे, कि यदि कोई काम करना न चाहे, तो खाने भी न पाए।

1 तीमुथियुस 5:8 पर यदि कोई अपनों की और निज करके अपने घराने की चिन्ता न करे, तो वह विश्वास से मुकर गया है, और अविश्वासी से भी बुरा बन गया है।

मत्ती 6:20–21 परन्तु अपने लिये स्वर्ग में धन इकट्ठा करो, जहां न तो कीड़ा, और न काई बिगाड़ते हैं, और जहां चोर न सेंध लगाते और न चुराते हैं। क्योंकि जहां तेरा धन है वहां तेरा मन भी लगा रहेगा।

इसका भी एक कारण है कि कार में सामने का काँच पीछे देखने वाले शीषे से बड़ा क्यों होता है।

मुझे बताया गया है कि जब भी कोई क्रिकेट खिलाड़ी बल्लेबाज़ी करने आता है तो उसकी सबसे बड़ी चुनौती गेंदबाज़ नहीं होता परन्तु उसकी स्वयं की बल्लेबाज़ी की औसत होती है। यदि पिछली गेंद पर उसने छक्का मारा था तो उस पर कठिनाइयों का और दोबारा ऐसा करने का दबाव आता है। परन्तु यदि वह पिछली गेंद पर चूक गया था तो दोबारा ऐसा होने का डर भी बना रहता है। ऐसी बड़ी चुनौती बल्लेबाज़ के साथ साथ गेंदबाज़ के मन में भी बनी रहती है। जब हम भविष्य की तुलना में अतीत पर अधिक ध्यान देते हैं तो हमारा पिछला प्रदर्षन, चाहे अच्छा हो या बुरा, हमें सीमित कर सकता है।

इसका भी एक कारण है कि कार में सामने का काँच पीछे देखने वाले शीषे से बड़ा क्यों होता है। हाँ

निष्चय ही हमें इस बात की कुछ झलकियां और हल्के दृष्टिकोण चाहिएं कि हम कहां पर थे, परन्तु हमारी महानतम क्षमता अभी आने पर है। अपने अतीत को आपका भविष्य निर्धारित करने से रोकें। अपना सिर उठाएं, अपनी आँखें खोलें, और भविष्य को देखें। आपका महानतम दिन अभी आने पर है!

आज के लिए प्रार्थना
हे पिता, मेरी सहायता करें कि मैं अपने अतीत की उपलब्धियों या असफलताओं पर भरोसा रखने या डरने में बहुत अधिक समय न बिताऊँ। मैं घड़ी को वापस नहीं घुमा सकता और न ही अपने अतीत को दोबारा जी सकता हूँ या बदल सकता हूँ। जब जब मैंने आपको, स्वयं को और दूसरों को धोखा दिया है उसके लिए मुझे क्षमा कर दें। मुझे भविष्य का दृष्टिकोण और योजना दें और मेरे सब कामों में मेरा मार्गदर्षन करें।

आज के लिए वचन
फिलिप्पियों 3:13 हे भाइयों, मेरी भावना यह नहीं कि मैं पकड़ चुका हूं: परन्तु केवल यह एक काम करता हूं, कि जो बातें पीछे रह गई हैं उन को भूल कर, आगे की बातों की ओर बढ़ता हुआ।

फिलिप्पियों 4:13 जो मुझे सामर्थ देता है उस में मैं सब कुछ कर सकता हूं।

यात्रा आपकी मित्र है

यात्रा ही है जो हमें भविष्य की क्षमता में काम करने के लिए तैयार करती है। अपने जीवन की दैनिक सामान्य चुनौतियों में सर्वोत्तम बने बिना, हम अपने सामने आने वाले सच्चे वास्तविक अवसरों को प्राप्त करने के योग्य नहीं बन पाएंगे। जीवन की दैनिक यात्रा, इसके सामान्य संघर्षों और पेचीदगी के साथ, हमारे प्राण के लिए एक ऐसा व्यायाम है जो इसे भविष्य की बड़ी परीक्षाओं के लिए तैयार करती है।

न तो यूसुफ, न दाऊद, न रूत, न एस्तेर, न पतरस, न पौलुस अपने जीवन की निर्धारित भूमिका को निभा पाते यदि उन्होंने अपनी यात्रा के दबावों को न उठाया होता जो उन्हें वहां तक ले आए थे। यात्रा आपकी शत्रु नहीं है ..... आपकी मित्र है। षिकायत करना छोड़ें और बढ़ना आरम्भ करें।

आज के लिए प्रार्थना
हे प्रिय परमेष्वर, मैं उन समयों के लिए क्षमा मांगता हूँ जब मैंने अपनी यात्रा के बारें में षिकायतें की हैं या क्रोध किया है। मैं जानता हूँ कि मेरे जीवन के लिए आपके पास योजना है और सब बातें मिलकर मेरे लिए भलाई उत्पन्न करेंगी। मेरी सहायता करें कि मैं अपनी यात्रा को समझ जाऊँ और इस यात्रा को पूरा करने का अनुग्रह और बल दें। आप कुम्हार बनें और मैं मिट्टी बनूंगा।

आज के लिए वचन
यिर्मयाह 29:11 क्योंकि यहोवा की यह वाणी है, कि जो कल्पनाएं मैं तुम्हारे विषय करता हूँ उन्हें मैं जानता हूँ, वे हानि की नहीं, वरन कुशल ही की हैं, और अन्त में तुम्हारी आशा पूरी करूंगा।

रोमियों 8:28 और हम जानते हैं, कि जो लोग परमेश्वर से प्रेम रखते हैं, उन के लिये सब बातें मिलकर भलाई ही को उत्पन्न करती है; अर्थात् उन्हीं के लिये जो उस की इच्छा के अनुसार बुलाए हुए हैं।

अंधेरे को कोसने से कुछ नहीं बदलता.....दीया जलाएं

लोगों और योजनाओं में सामान्य कमियों को पहचानने और उनकी षिकायत करने में ज़रा सा भी परिश्रम नहीं लगता। परीक्षा यह है कि हम परेषानियों को अपनी बातचीत का आधार बना लेते हैं। ऐसा स्वभाव स्वस्थ संबंधों और समस्याओं के समाधान करने के विपरित है।

इस्त्राएलियों ने एक बुरी आदत अपना ली थी, वे हर उस बात के बारे में कुड़कुड़ाते थे और षिकायत करते

थे जो उनके अनुकूल नहीं होती थी या वैसी नहीं होती थी जैसी वे चाहते थे। शीघ्र ही उनके अगुवों के प्रत्येक निर्णय का विरोध होने लगा और उनकी प्रगति रूक गई। अंधेरे को कोसने से कुछ नहीं बदलता..... दीया जलाएं। हमें केवल इतना करना है कि अपने उत्तम सुझाव को समाधान के रूप में प्रस्तुत करें। यदि हमारे पास उत्तम सुझाव नहीं है तो हम उनका समर्थन करें जिनके पास हैं।

आज के लिए प्रार्थना
हे प्रभु, मैं अपना भरोसा आपमें डालता हूँ। मेरी सहायता करें कि मैं षिकायतकर्त्ता न बन जाऊँ। मुझे ऐसे उपाय और समाधान दें जिनसे सबकुछ सुधर जाए और तब मुझे श्रोतागण दें और अपने अगुवों तथा सहकर्मियों की सहमति दें ताकि मैं उन सुझावों को दीनता के साथ प्रस्तुत कर सकूं। इस प्रक्रिया के लिए मुझे मूल्यवान बनाएं।

आज के लिए वचन
फिलिप्पियों 2:14 .....बिना कुड़कुड़ाए और बिना विवाद.....

लूका 21:15 क्योंकि मैं तुम्हें ऐसा बोल और बुद्धि दूंगा, कि तुम्हारे सब विरोधी साम्हना या खंडन न कर सकेंगे।

भजन 119:111 मैं ने तेरी चितौनियों को सदा के लिये अपना निज भाग कर लिया है, क्योंकि वे मेरे हृदय के हर्ष का कारण है।

जबकि लोग परमेष्वर द्वारा कदम उठाए जाने की प्रतीक्षा करते हैं, वहीं परमेष्वर भी लोगों द्वारा कदम उठाए जाने की प्रतीक्षा करता है

जिस समस्या पर ध्यान देने की आवष्यकता है उसे नज़रअंदाज़ कर देने से वह समस्या चली नहीं जाएगी। और न ही उस समस्या को परमेष्वर के हाथों में सौंप देने से काम बनेगा जिसमें वह चाहता है कि आप सहायता करें। 2 राजा 7 में 4 कोढ़ियों की घटना के समान, समस्या में केवल चुपचाप बैठे रहने से आपकी समस्या का समाधान नहीं होगा। परमेष्वर मांग करता है कि हम जीवन के रोमांच में उसके साथ सहभागी बनें। अपने शत्रुओं को व्यस्त किए बिना और उनसे आगे बढ़े बिना हम विजय का स्वाद नहीं चखेगें।

जबकि लोग परमेष्वर द्वारा कदम उठाए जाने की प्रतीक्षा करते हैं, वहीं परमेष्वर भी लोगों द्वारा कदम उठाए जाने की प्रतीक्षा करता है। परमेष्वर हमारे छोटे से छोटे सच्चे और निष्कपट प्रयास को भी सफल बनाने में योग्य और इच्छुक है। जबकि हम वही काटते हैं जो हम बोते हैं, इसलिए यह अत्यावष्यक है कि हम वचन के केवल सुनने वाले ही नहीं बल्कि उसके अनुसार करने वाले भी बनें।

आज के लिए प्रार्थना
हे पिता, मैं परमेष्वर के वचन का केवल सुनने वाला ही नहीं बल्कि उसके अनुसार करने वाला भी बनने का चयन करता हूँ। मुझे ऐसा व्यक्ति बनने में सहायता करें जिस पर आप काम करने का भरोसा कर सकते हैं। आगे बढ़ने और व्यस्त रहने के लिए आवष्यक जानकारी, प्रेरणा और प्रोत्साहन मुझे दें। आज मुझे अपने पवित्र आत्मा के साथ सहकर्मी बनाएं।

आज के लिए वचन
2 राजा 7:3c हम क्यों यहां बैठे बैठे मर जाएं?

याकूब 1:25 पर जो व्यक्ति स्वतंत्रता की सिद्ध व्यवस्था पर ध्यान करता रहता है, वह अपने काम में इसलिये आशीष पाएगा कि सुनकर भूलता नहीं, पर वैसा ही काम करता है।

उत्तराधिकारी के बिना चिरस्थाई सफलता नहीं मिलती

ऐसा क्यों हो कि आप जो कुछ जानते हैं, वह सब आपकी मृत्यु के समय आपके साथ मर जाए और कब्र में चला जाए? जीवन एक रिले दौड़ के समान है, एक टीम वाला खेल है जिसमें कोई भी अकेला सहभागी अपनी टीम के बिना नहीं जीत सकता। यह प्रत्येक व्यक्ति की जिम्मेदारी है कि वह अगले चक्कर के लिए दौड़ाक तैयार करे और दौड़ते हुए ही बैटन उनके हाथ में सौंप दे।

आजकल व्यक्तिगत उपलब्धियों पर इतना अधिक ज़ोर दिया जाने के कारण हम अपने समाज में ईर्ष्या, जलन और लालच उभरता हुआ देख रहे हैं। एक कदम पीछे जाएं और सोचें कि आपकी चिरस्थाई सफलता क्या होगी? एक षिष्य ढूँढें। उसका परामर्षदाता और पालक बनें। अगले चक्कर के लिए योग्य दौड़ाक तैयार करें। उत्तराधिकारी के बिना चिरस्थाई सफलता नहीं मिलती।

आज के लिए प्रार्थना

हे पिता, मुझे ऐसा व्यक्ति दें जिसमें मैं अपने आप को निवेष कर सकूँ। मुझे एक परामर्षदाता और पालक बनना सिखाएं। मुझे ऐसा कौषल दें कि मैं जीवन और अनन्तता के बारे में जो कुछ भी जानता हूँ उसे उन लोगों को सिखा दूँ जो एक दिन मेरा स्थान ले लेंगे। आज किसी एक व्यक्ति के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव डालने में मेरी सहायता करें।

आज के लिए वचन

मत्ती 28:18–20 यीशु ने उन के पास आकर कहा, कि स्वर्ग और पृथ्वी का सारा अधिकार मुझे दिया गया है। इसलिये तुम जाकर सब जातियों के लोगों को चेला बनाओ और उन्हें पिता और पुत्र और पवित्र आत्मा के नाम से बपतिस्मा दो। और उन्हें सब बातें जो मैं ने तुम्हें आज्ञा दी है, मानना सिखाओः और देखो, मैं जगत के अन्त तक सदैव तुम्हारे संग हूं।

2 तीमुथियुस 2:2 और जो बातें तू ने बहुत गवाहों के साम्हने मुझ से सुनी है, उन्हें विश्वासी मनुष्यों को सौंप दे; जो औरों को भी सिखाने के योग्य हों।

परमेष्वर के पास एक योजना है; वह सफल होगा; उसमें सहभागी बनने का अवसर हमारे पास है

गड्ढे से पोतीपर के घर तक, बन्दीगृह से महल तक, यूसुफ कभी भी अपने जीवन के लिए परमेष्वर की योजना से बाहर नहीं था। दाऊद भी, जैसा परमेष्वर ने उसे कहा था, इस्राएल का राजा बनने के लिए बहुत लम्बे और विषम पथ पर चला। मुसीबत और दुखों के समयों में हमारी पीड़ा में से किसी भली वस्तु के आने की कल्पना करना भी कठिन है।

तथापि, यदि हम मसीह के हैं, हमें यह प्रतीति करनी ही होगी कि परमेष्वर के पास एक योजना है, कि वह सफल होगा, और धन्यवाद करना होगा कि उसकी इस योजना में सहभागी बनने का अवसर हमारे पास है। हम व्यक्तिगत परेषानियों को सर्वषक्तिमान परमेष्वर की अनन्त योजना पर हावी नहीं होने दे सकते। कठिन समयों में परमेष्वर के प्रति हमारा सर्वोत्तम प्रतिउत्तर यह हो सकता है कि हम उस पर भरोसा रखें और उसका आज्ञापालन करें।

आज के लिए प्रार्थना

हे परमेष्वर, मेरे लिए, मेरे परिवार और और मेरे भविष्य के लिए आपकी योजना की पेचीदगी को मैं कैसे समझना आरम्भ करूँ। मैं ये सब मांगता हूँः मेरे लिए और मेरे प्रियों के लिए दयावान बनें, हम याद रखें कि हम और कुछ नहीं बल्कि आपके हाथों में मिट्टी समान भंगुर हैं। हमें बुराई से बचाए रखें और अपनी महिमा के लिए इस्तेमाल करें। हमेषा की तरह, मेरी नहीं बल्कि आपकी इच्छा पूरी हो।

आज के लिए वचन

उत्पत्ति 45:8 इस रीति अब मुझ को यहां पर भेजनेवाले तुम नहीं, परमेश्वर ही ठहराः और उसी ने मुझे फिरौन का पिता सा, और उसके सारे घर का स्वामी, और सारे मिस्त्र देश का प्रभु ठहरा दिया है।

मत्ती 26:39 फिर वह थोड़ा और आगे बढ़कर मुंह के बल गिरा, और यह प्रार्थना करने लगा, कि हे मेरे पिता, यदि हो सके, तो यह कटोरा मुझ से टल जाए; तौभी जैसा मैं चाहता हूं वैसा नहीं, परन्तु जैसा तू चाहता है वैसा ही हो।

जीवन की बहुत सारी चुनौतियों को केवल तथ्यों का सामना करने और सच बोलने मात्र से ही सम्भाला जा सकता है

तथ्य भद्दे, मंहगे और हतोत्साहित करने वाले हो सकते हैं और ऐसा भी हो सकता है कि वे सारा दोष आप पर लगाएं। तथापि, पूर्ण निष्कर्ष पर पहुंचने के लिए अवष्य है कि हम उन तथ्यों का सामना करें और सच बोलें ..... आपके नज़रिए से सच नहीं बल्कि परमेष्वर के नज़रिए से।

निष्चय ही जीवन कठिन हो सकता है; हम गड़बड़ी कर सकते हैं; लोग हमें धोखा दे सकते हैं; हम अपने आप को धोखा दे सकते हैं। परन्तु परमेष्वर विष्वासयोग्य रहता है चाहे लोग विष्वासयोग्य न भी रहें। उसके पास आपके लिए एक वचन है। आपकी वर्तमान परिस्थिति के लिए बाइबल में से वचन। आप तथ्यों का सामना कर सकते हैं और अपने जीवन पर परमेष्वर का वचन बोल सकते हैं।

आज के लिए प्रार्थना

हे पिता, मैं जानता हूँ कि आप मुझसे प्रेम करते हैं और अपना प्रेम मुझसे कभी अलग नहीं करेंगे। मुझे अपना वचन सिखाएं। मुझे विष्वास से भरें कि मैं अपने विचारों, डरों और दूसरों के सुझावों से बढ़कर आपके वचन पर भरोसा रखूँ। जब मैं आपके आत्मा की तलवार से शत्रु का सामना करता हूँ, तो विष्वास के साथ बोलने का साहस मुझे दें।

आज के लिए वचन

यूहन्ना 17:17 सत्य के द्वारा उन्हें पवित्र करः तेरा वचन सत्य है।

इफिसियों 6:17 और उद्धार का टोप, और आत्मा की तलवार जो परमेश्वर का वचन है, ले लो।

इब्रानी 10:35 सो अपना हियाव न छोड़ो क्योंकि उसका प्रतिफल बड़ा है।

अभी सही काम करने के लिए आपको अभी कीमत चुकानी पड़ सकती है, परन्तु उसे नहीं करके आप जीवन भर उसकी कीमत चुकाते रहेंगे

क्या आपने कभी सोचा है कि उस व्यक्ति के साथ क्या होता है जिसके लिए सदा के लिए देर हो चुकी है? लोग बहुत सारे कारण दे सकते हैं कि उन्होंने वह काम करना क्यों छोड़ दिया जिसे वे जानते हैं कि वह सही है। इनमें से अधिकतर बहाने उस तुरन्त चुकाई जाने वाली कीमत से बचने के लिए दिए जाते हैं जो सही चयन करने के कारण कभी कभी आ सकती है।

वे सही हैं! सही काम करने के कारण आपको कीमत चुकानी पड़ सकती है। इसी समय ही आपको वह कीमत चुकानी पड़ सकती है। तथापि, सही काम करने का इंतज़ार करते रहने से आपको कहीं अधिक कीमत चुकानी पड़ सकती है। या तो हम अपने भविष्य के लिए अपना वर्तमान बलिदान करें या फिर अपने वर्तमान के लिए अपना भविष्य बलिदान कर दें। चयन आपका है!

आज के लिए प्रार्थना

हे परमेष्वर, मुझमें से डर निकाल दें, और मुझे टाल–मटोल करने के स्वभाव से छुटकारा दें। सही चयन

करने में मेरी सहायता करें, चाहे इनके लिए मुझे अस्थाई कीमत ही क्यों न चुकानी पड़े। समझौते के विरूद्ध मेरे निर्णय में मजबूती के साथ खड़े रहने का और परिणामों से डरे बिना आपके प्रति विष्वासयोग्य बने रहने का बल मुझे दें।

आज के लिए वचन
इफिसियों 4:15 बरन प्रेम में सच्चाई से चलते हुए, सब बातों में उस में जो सिर है, अर्थात् मसीह में बढ़ते जाएं।

मरकुस 8:35 क्योंकि जो कोई अपना प्राण बचाना चाहे वह उसे खोएगा, पर जो कोई मेरे और सुसमाचार के लिये अपना प्राण खोएगा, वह उसे बचाएगा।

व्यवस्थाविवरण 30:19 मैं आज आकाश और पृथ्वी दोनों को तुम्हारे साम्हने इस बात की साक्षी बनाता हूं, कि मैं ने जीवन और मरण, आशीष और शाप को तुम्हारे आगे रखा है; इसलिये तू जीवन ही को अपना ले, कि तू और तेरा वंश दोनों जीवित रहें।

आप जो खरीदना चाहते हैं उसे न खरीद पाने का कारण शायद यह है कि आप वह खरीद चुके हैं जो आप खरीदना चाहते थे

रूपए के साथ समस्या यह है कि इसे केवल एक बार ही खर्च किया जा सकता है। अधिकतर बार हम इस बात को नहीं समझ पाते कि एक वस्तु को खरीदने के लिए हाँ करके हम दूसरी को खरीदने के लिए न कह रहे हैं। आवेग में आकर खर्च करना या दबाव में आकर कुछ खरीदना कभी भी धन का अच्छा निवेष नहीं हो सकता। परमेष्वर हमसे भण्डारी बनने की अपेक्षा करता है, न केवल उस धन के लिए जो उसका है बल्कि उस धन के लिए भी जिसे हम अपना कहते हैं।

बहुत बार हम जो खरीदना चाहते हैं उसे न खरीद पाने का कारण शायद यह है कि हम वह खरीद चुके हैं जो हम खरीदना चाहते थे। समस्या यह है कि हमने जो खरीदा था अब शायद हम उसे नहीं चाहते, या कम से कम उतना नहीं चाहते जितना उस वस्तु को जिसे हम अभी खरीदना चाहते हैं! कहीं न कहीं हमें अपनी खरीददारी पर नियंत्रण करना होगा। क्या आपकी खरीददारी पर आपका नियंत्रण है, या क्या यह आप पर नियंत्रण रखती है? परमेष्वर सहायता कर सकता है!

आज के लिए प्रार्थना
हे पिता, मुझे जीवन के फंदों से बचाएं, विषेषकर धन के क्षेत्र में। मुझे खर्चे की योजना बनाना सिखाएं ताकि मैं उन आषीषों का अच्छा भण्डारी बन सकूँ जो आप मुझ पर उण्डेलना चाहते हैं। मेरे भण्डारों को अपने धन से भरें और मुझे दूसरों को आषीष देने के योग्य बनाएं।

आज के लिए वचन
नीतिवचन 10:4 जो काम में ढिलाई करता है, वह निर्धन हो जाता है, परन्तु कामकाजी लोग अपने हाथों के द्वारा धनी होते हैं।

नीतिवचन 10:22 धन यहोवा की आशीष ही से मिलता है, और वह उसके साथ दुःख नहीं मिलाता।

नीतिवचन 3:9–10 अपनी संपत्ति के द्वारा और अपनी भूमि की पहिली उपज दे देकर यहोवा की प्रतिष्ठा करना; इस प्रकार तेरे खत्ते भरे और पूरे रहेंगे, और तेरे रसकुंडों से नया दाखमधु उमंडता रहेगा।

शायद आप बदलाव होते हुए न देख पाएं, परन्तु बदलाव हो रहे हैं

क्या आपको कभी ऐसा अनुभव हुआ है कि आप किसी ऐसे स्थान पर दोबारा गए जहां आप पिछले 10 या

उससे अधिक वर्षों से नहीं गए थे? शायद आप किसी ऐसे पुराने मित्र से मिले जिसे पहचानना आपको कठिन लग रहा था। समय के अंतराल में जो बदलाव आए हैं उन्हें पहचानना उस व्यक्ति के लिए कठिन होगा जो उन्हें प्रतिदिन लगातार देखता आ रहा है परन्तु ये बदलाव उस व्यक्ति के लिए बहुत अधिक और हैरानीजनक हो सकते हैं जिसने उन्हें प्रतिदिन नहीं देखा है। इस सिद्धांत का सामना हम अपने आत्मिक जीवन में भी करते हैं जब हम प्रतिदिन परमेष्वर का वचन पढ़ते हैं, प्रतिदिन प्रार्थना के लिए इकट्ठा होते हैं और लम्बे समय तक निरंतर प्रभु की सेवा करते रहते हैं। हालाँकि हमारे जीवन में, और शायद हमारे मित्रों के जीवन में हुए बदलावों पर अधिक ध्यान न दिया गया हो, परन्तु फिर भी, बदलाव हो रहे हैं। निराष न हों और न ही शत्रु के बहकावे में आएं कि परमेष्वर के साथ आपका दैनिक संबंध फलहीन है। जब आप और आपके आसपास के अन्य लोग परमेष्वर के सिद्ध वचन को पढ़ते हैं और उसे अपने जीवन में लागू करते हैं, तो आप लोग निरंतर बदल रहे हैं। इन बदलावों पर अक्सर वे लोग अधिक ध्यान देते हैं जिन्होंने आपको लम्बे समय से नहीं देखा है।

आज के लिए प्रार्थना
हे पिता, मैं अपने परिवार और मित्रों के जीवन में और अपने जीवन में भी आप पर भरोसा करने का चयन करता हूँ। मैं जानता हूँ कि आपका वचन और आपका आत्मा मेरे जीवन कार्य कर रहे हैं और मैं प्रतिदिन आपके प्रिय पुत्र के स्वरूप में बदल रहा हूँ। मुझे आपके जैसा और अधिक बनाने के लिए आपका धन्यवाद।

आज के लिए वचन
रोमियों 12:1–2 इसलिये हे भाइयों, मैं तुम से परमेश्वर की दया स्मरण दिला कर बिनती करता हूं, कि अपने शरीरो कों जीवित, और पवित्र, और परमेश्वर को भावता हुआ बलिदान करके चढ़ाओः यही तुम्हारी आत्मिक सेवा है। और इस संसार के सदृश न बनो; परन्तु तुम्हारी बुद्धि के नये हो जाने से तुम्हारा चाल–चलन भी बदलता जाए, जिस से तुम परमेश्वर की भली, और भावती, और सिद्ध इच्छा अनुभव से मालूम करते रहो।

2 कुरिन्थियों 3:18 परन्तु जब हम सब के उघाड़े चेहरे से प्रभु का प्रताप इस प्रकार प्रगट होता है, जिस प्रकार दर्पण में, तो प्रभु के द्वारा जो आत्मा है, हम उसी तेजस्वी रूप में अंश अंश कर के बदलते जाते हैं।

पाप की ताकत गुप्त रहने में है

परमेष्वर ज्योति है और उसमें कोई अंधकार नहीं है। कोई भी अंधकार को किसी बर्तन में भरकर नहीं ला सकता। अंधकार और कुछ नहीं बल्कि ज्योति की अनुपस्थिति है। पाप के अस्तित्व में भी यही सिद्धांत कार्य करता है। पाप और कुछ नहीं बल्कि धार्मिकता की अनुपस्थिति है। पाप तब होता है जब हम परमेष्वर की धार्मिकता से दूर चले जाते हैं। पाप तब अपनी ताकत खो बैठता है जब हम इसे परमेष्वर के सामने अंगीकार कर लेते हैं, मन फिराते हैं और परमेष्वर के साथ अपना संबंध सही कर लेते हैं।

पाप वहां आसानी से छिप जाता है जहां ज्योति नहीं होती। पाप की ताकत गुप्त रहने में है। आप पाप की गुलामी में न फंसे। पाप अपनी ताकत तब खो देता है जब आप इसे परमेष्वर के सामने ले आते हैं और उसके वचन की ज्योति को अपने जीवन पर चमकाते हैं।

आज के लिए प्रार्थना
हे प्रिय स्वर्गिक पिता, मैं जानता हूँ कि मैंने पाप किया है और मैं अभी अपने पापों का अंगीकार आपके सामने करता हूँ। मैं उन्हें छोड़ देता हूँ और उनसे अपना मुंह मोड़ लेता हूँ। हे प्रभु, मुझे क्षमा कर दें और मुझे सारे अधर्म से शुद्ध कर दें। अपने वचन के शुद्ध जल से मुझे धो डालें। अब पाप की पकड़ मुझ पर कदापि नहीं रहेगी। हे प्रभु, आपका धन्यवाद।

आज के लिए वचन

यूहन्ना 3:20 क्योंकि जो कोई बुराई करता है, वह ज्योति से बैर रखता है, और ज्योति के निकट नहीं आता, ऐसा न हो कि उसके कामों पर दोष लगाया जाए।

रोमियों 6:14 और तुम पर पाप की प्रभुता न होगी, क्योंकि तुम व्यवस्था के आधीन नहीं बरन अनुग्रह के आधीन हो।

1 यूहन्ना 1:9–10 यदि हम अपने पापों को मान लें, तो वह हमारे पापों को क्षमा करने, और हमें सब अधर्म से शुद्ध करने में विश्वासयोग्य और धर्मी है। यदि कहें कि हम ने पाप नहीं किया, तो उसे झूठा ठहराते हैं, और उसका वचन हम में नहीं है।

हमें अभी तक जो सबसे महत्त्वपूर्ण और लाभदायक काम मिला है, हो सकता है कि आरम्भ में वह बहुत भद्दा और अनुचित बोझ लगा हो

एक बार एक व्यक्ति अपने दो छोटे बेटों को शहर लेकर गया। उन्होंने अपने पिता को व्यापार करते देखा और यह भी देखा कि वह कैसे व्यापारियों के साथ कारोबार करता है। बहुत देर बाद पिता उनके लिए भोजन लेकर आया और बैठकर अपने बेटों से दिनभर के पाठ के बारे में बात करने लगा। वह उन्हें तैयार कर रहा था कि एक दिन वे समाज में अपना स्थान ले लेंगे।

गलियों में से गुज़रते हुए उन्होंने एक अपराधी को देखा जिसे सज़ा देने के लिए ले जाया जा रहा था। अपराधी अपने बोझ के कारण गिर पड़ा। बेटों ने देखा कि सैनिकों ने उनके पिता को धमकाया और उसे उस कैदी का क्रूस उठाने के लिए मजबूर किया। षिमौन कुरेनी के समान, हमें अभी तक जो सबसे महत्त्वपूर्ण और लाभदायक काम मिला है, हो सकता है कि आरम्भ में वह बहुत भद्दा और अनुचित बोझ लगा हो। ऐसा माना जाता है कि उस षिमौन के बेटे आगे चलकर कलीसिया के महत्त्वपूर्ण अगुवे बने।

आज के लिए प्रार्थना
हे प्रभु मेरी सहायता करें कि जब मुझे किसी दूसरे का बोझ उठाने के लिए मजबूर किया जाए तो मैं षिकायत न करूँ। आपकी और आपकी संतानों की अधिक तथा अचूक सेवा करने के लिए आवष्यक बल और तरस मुझे दें।

आज के लिए वचन
मत्ती 27:32 बाहर जाते हुए उन्हें शमौन नाम एक कुरेनी मनुष्य मिला, उन्होंने उसे बेगार में पकड़ा कि उसका क्रूस उठा ले चले।

गलातियों 6:2 तुम एक दूसरे के भार उठाओ, और इस प्रकार मसीह की व्यवस्था को पूरी करो।

परमेष्वर आपको उसी अनुपात में सबकुछ देगा जितना वह आपके द्वारा दे सकता है

क्या आपने कभी महसूस किया है कि आपके जीवन के स्त्रोत सूख गए हैं? कि परमेष्वर की उपस्थिति और आषीषें थम गई हैं? चाहे धन हो, प्रकाषन, बुद्धि या आनन्द हो, परमेष्वर उन लोगों के जीवन में किसी भली वस्तु की घटी नहीं होने देता जो उसके सामने खराई से चलते हैं। शायद आपको स्वयं को जाँचना चाहिए।

परमेष्वर के वचन का एक निष्चित सिद्धांत यह है कि वह आपको उसी अनुपात में सबकुछ देता है जितना वह आपके द्वारा दे सकता है। स्वयं को जाँचते समय, निष्चित कर लें कि यदि आपके जीवन में परमेष्वर की भलाई आनी रूक गई है तो कहीं आपने अपने पास आने वाली आषीषों को अपने द्वारा बहने से रोक तो नहीं लिया है। बहुत बार हम अपने जीवन मे से बाहर जाने वाले बहाव के स्थानों को साफ करने और बहाव को जारी रखने के द्वारा अपने जीवन के सागर में ताज़ा पानी के आगमन को सुनिष्चित कर सकते हैं। आप और क्या चाहते हैं? आप दूसरों के लिए आषीष बनें और परमेष्वर आपके जीवन में अपनी आषीषें

जारी रखेगा!

आज के लिए प्रार्थना
हे प्रभु, मैं आषीष बनना चाहता हूँ। मैं आपके मार्गदर्षन के अनुसार अपना समय, कौषल और धन देता रहूँगा। अपने स्वर्ग के झरोखे खोलें और अपनी आषीषें मुझ पर उण्डेलें। आपकी शांति और उपस्थिति को जानने में मेरी सहायता करें। मुझे अपना जीवित वचन सिखाएं।

आज के लिए वचन
लूका 6:38 दिया करो, तो तुम्हें भी दिया जाएगाः लोग पूरा नाप दबा दबाकर और हिला हिलाकर और उभरता हुआ तुम्हारी गोद में डालेंगे, क्योंकि जिस नाप से तुम नापते हो, उसी से तुम्हारे लिये भी नापा जाएगा।।

नीतिवचन 19:17 जो कंगाल पर अनुग्रह करता है, वह यहोवा को उधार देता है, और वह अपने इस काम का प्रतिफल पाएगा।

इफिसियों 6:8 क्योंकि तुम जानते हो, कि जो कोई जैसा अच्छा काम करेगा, चाहे दास हो, चाहे स्वतंत्र; प्रभु से वैसा ही पाएगा।

परमेष्वर के प्रति अपने उपयुक्त प्रतिउत्तर पर ध्यान दें

परमेष्वर हमसे बहुत उम्मीद रखता है। परन्तु, उसने हमें सिखाने, मार्गदर्षन करने, और हमारी सुरक्षा के लिए अपना पुत्र, अपना वचन और अपना आत्मा दिया है। हमारे पास सचमुच कोई बहाना नहीं है कि हम उसकी आज्ञाओं का पालन क्यों नहीं करते। किसी भी व्यक्ति के जीवन की कोई भी परिस्थिति उसे यह अधिकार नहीं देती है कि परमेष्वर के वचन का निरादर करे। हम दूसरों के कामों के कारण यह निर्धारित नहीं कर सकते कि हम कितने भक्तिपूर्ण काम करेंगे।

जब हम प्रलोभन, परख, परीक्षा और जीवन के दबावों को सामना करते हैं, तो अवष्य है कि हम अपना पूरा ध्यान परमेष्वर के प्रति हमारे उपयुक्त प्रतिउत्तर पर लगाएं। किसी भी समस्या का सामना करते समय अपने आप से यह प्रष्न पूछना उचित होगा कि यदि इस समय प्रभु यीषु होते तो क्या करते।

आज के लिए प्रार्थना
हे पिता, मैं स्वयं या दूसरों से बढ़कर आपको प्रसन्न करना चाहता हूँ। हे प्रभु, उलझन भरे मामलों में आपके वचन के सिद्धांतों को देखने में मेरी सहायता करें। जीवन की प्रत्येक परिस्थित में, चाहे लोग कुछ भी करें परन्तु आप मेरी सहायता करें कि मैं अपना पूरा ध्यान आपके प्रति मेरे उपयुक्त प्रतिउत्तर पर लगाए रखूँ।

आज के लिए वचन
रोमियों 14:10—12 तू अपने भाई पर क्यों दोष लगाता है? या तू फिर क्यों अपने भाई को तुच्छ जानता है? हम सब के सब परमेश्वर के न्याय सिंहासन के साम्हने खड़े होंगे। क्योंकि लिखा है, कि प्रभु कहता है, मेरे जीवन की सौगन्ध कि हर एक घुटना मेरे साम्हने टिकेगा, और हर एक जीभ परमेश्वर को अंगीकार करेगा। सो हम में से हर एक परमेश्वर को अपना अपना लेखा देगा।

हमारा पूरा जीवन हमारे विष्वास की अभिव्यक्ति है

हम अपनी वस्तुओं को जैसे उपयोग करते हैं, वह दर्षाता है कि हम कौन हैं और हम क्या विष्वास करते हैं। लोग इस बात की परवाह नहीं करते कि आप क्या जानते हैं, जब तक कि वे यह न जान लें कि आप उनकी चिंता करते हैं। धोखा न खाएं; कोई भी व्यक्ति उसके लिए नहीं मरेगा जिसके लिए वह जी नहीं सकता।

हमारा पूरा जीवन हमारे विष्वास की अभिव्यक्ति है। आप ऐसी कथा लिख रहे हैं जिसे एक दिन आपके नाती–पोते पढ़ेंगे। अपने प्रत्येक चयन के साथ आप अपनी कथा में एक और अध्याय जोड़ लेते हैं जो आपके जीवन के इतिहास का अंग बन जाता है। आज बुद्धिमानी से चयन करें।

आज के लिए प्रार्थना
हे परमेष्वर, आपने कहा है कि बुद्धिमान व्यक्ति अपने नाती–पोतों के लिए मीरास छोड़ कर जाता है और यह भी कि अच्छा नाम सोने और चांदी से भी उत्तम है। हे पिता, मैं चाहता हूँ कि मेरी जीवनगाथा एक ऐसे व्यक्ति का वर्णन करे जो आपकी और से आषीषित था और दूसरों के लिए आपकी आषीष बना। मुझे दिखाएं कि मैं अपने जीवन को सार्थक कैसे बना सकता हूँ।

आज के लिए वचन
नीतिवचन 22:1 बड़े धन से अच्छा नाम अधिक चाहने योग्य है, और सोने चान्दी से औरों की प्रसन्नता उत्तम है।

नीतिवचन 13:22 भला मनुष्य अपने नाती–पोतों के लिये भाग छोड़ जाता है, परन्तु पापी की सम्पत्ति धर्मी के लिये रखी जाती है।

1 यूहन्ना 3:7 हे बालको, किसी के भरमाने में न आना; जो धर्म के काम करता है, वही उस के समान धर्मी है।

परमेष्वर मांग करता है कि हम अपने चमत्कार में सहभागी बनें

2 राजा 4 की विधवा, जिसके पास एक कुप्पी तेल और मुट्ठी भर आटा था, से लेकर 2 राजा 5 में नामान कोढ़ी तक, परमेष्वर अपेक्षा करता है हम उस पर भरोसा रखें और उसके वचन के अनुसार कार्य करें। अवष्य है कि हम जहां हैं वहीं से आरम्भ करें, हमारे पास जो है उसे लें, और उसके साथ अपना सर्वोत्तम करें। परमेष्वर हमसे मुलाकात करेगा और भिन्नता लाएगा।

परमेष्वर मांग करता है कि हम अपने चमत्कार में सहभागी बनें। अवष्य है कि हम परमेष्वर के कार्य करने वाले बनें और उसके वचन के केवल सुनने वाले ही न बनें। परमेष्वर आपके हाथों के कामों पर आषीष देगा और आप जो कुछ करेंगे वह सफल होगा।

आज के लिए प्रार्थना
हे परमेष्वर, मेरे हाथों के कामों पर आषीष दें। मैं वायदा करता हूँ कि मैं न तो आलसी बनूंगा और न ही टाल–मटोल करने वाला बनूंगा, परन्तु वहीं से आरम्भ करूँगा जहां मैं हूँ, जो मेरे पास है उसे लूंगा और इसके साथ अपना सर्वोत्तम करूँगा। मेरे मार्ग में चमत्कार लाएं। मुझ पर अपनी आषीषें बढ़ाएं। मैं आपके वचन के अनुसार करने वाला बनूंगा।

आज के लिए वचन
भजन 127:1 यदि घर को यहोवा न बनाए, तो उसके बनानेवालों का परिश्रम व्यर्थ होगा। यदि नगर की रक्षा यहोवा न करे, तो रखवाले का जागना व्यर्थ ही होगा।

1 कुरिन्थियों 15:58 सो हे मेरे प्रिय भाइयो, दृढ़ और अटल रहो, और प्रभु के काम में सर्वदा बढ़ते जाओ, क्योंकि यह जानते हो, कि तुम्हारा परिश्रम प्रभु में व्यर्थ नहीं है।।

भजन 1:3 वह उस वृक्ष के समान है, जो बहती नालियों के किनारे लगाया गया है। और अपनी ऋतु में फलता है, और जिसके पत्ते कभी मुरझाते नहीं। इसलिये जो कुछ वह पुरूष करे वह सफल होता है।

यीषु ही प्रभु रहेगा, चाहे विजय के द्वारा या चाहे स्वीकृति के द्वारा

पूरे ब्रह्माण्ड में उस सामर्थ से बड़ी और कोई सामर्थ नहीं है जो परमेष्वर ने अपने पुत्र, यीषु को दी है। एक दिन, हर घुटना उसके सामने झुकेगा और हम जीभ अंगीकार करेगी कि यीषु ही प्रभु है। यह एक तथ्य है और यह अवष्य होगा।

यीषु ही प्रभु रहेगा, चाहे विजय के द्वारा या चाहे स्वीकृति के द्वारा। जो लोग उसे जानते हैं और उससे प्रेम करते हैं वे बिना किसी आंतक या डर के अपना जीवन उसके प्रभुत्व में सौंप देंगे। तथापि, जो लोग अपनी हठीली और दुष्ट इच्छा को पकड़े रहते हैं, उनके लिए न्याय आ रहा है जहां सब पापी लोगों के प्राण चिल्लाते रहेंगे, कि यीषु ही प्रभु है! उसे उसका बकाया आदर दें......वह जीतेगा ही।

आज के लिए प्रार्थना

हे पिता, मैंने आपके पुत्र को अपने उद्धारकर्त्ता के रूप में स्वीकार कर लिया है और अपना जीवन फिर से उसे सौंपता हूँ। वह मेरा प्रभु है। मैं उसे अपना स्वामी और शीघ्र आने वाले प्रभु के रूप में उसका आज्ञापालन करने, उसे प्रेम करने और उसकी सेवा करने की निष्ठा और प्रण खुषी खुषी लेता हूँ।

आज के लिए वचन

लूका 6:46 जब तुम मेरा कहना नहीं मानते, तो क्यों मुझे हे प्रभु, हे प्रभु, कहते हो?

मत्ती 7:21 जब तुम मेरा कहना नहीं मानते, तो क्यों मुझे हे प्रभु, हे प्रभु, कहते हो?

फिलिप्पियों 2:10–11 कि जो स्वर्ग में और पृथ्वी पर और जो पृथ्वी के नीचे है; वे सब यीशु के नाम पर घुटना टेकें। और परमेश्वर पिता की महिमा के लिये हर एक जीभ अंगीकार कर ले कि यीशु मसीह ही प्रभु है।

गिरने से आप असफल नहीं होते – गिरे रहने से होते हैं

कल्पना करें कि हम इकट्ठे कलीसिया जा रहे हैं। कल्पना करें कि मैं किसी वस्तु से ठोकर खाकर गिर पड़ा। हालाँकि मुझे कहीं चोट नहीं लगी, परन्तु मेरे घमण्ड को चोट लगी और मैं शर्मिंदा हो गया। आपने मेरी सहायता करने की कोषिष की, परन्तु मैं वहीं पड़ा रहा और आखिरकार मैंने आपको मेरे बिना ही चले जाने के लिए सहमत कर लिया।

अगले सप्ताह, कलीसिया जाते समय आपने मुझे वहीं पड़े देखा जहां मैं गिरा था। गिरे रहने के कारण मैं गंदा और कमज़ोर हो गया था, तब मैंने आपको बताया कि मैं कैसे गिरा था। "मैंने कोषिष की, अपना सर्वोत्तम किया, परन्तु कलीसिया तक भी चलकर नहीं जा सका।" तो आपका सुझाव क्या होगा? उठो! गिरने से आप असफल नहीं होते परन्तु गिरे रहने से होते हैं।

आज के लिए प्रार्थना

हे परमेष्वर, मुझे अपने आपको आपकी नज़रों से देखना सिखाएं। मैं आपकी संतान हूँ, चलना सीख रहा हूँ और इस जीवन की दौड़ दौड़ने का प्रयास कर रहा हूँ। असफलताओं से बचने में मेरी सहायता करें, विषेषकर जब मैं गिरता हूँ और उठकर, अपने आप को झाड़कर फिर से प्रयास करता हूँ। हे प्रभु, आपका धन्यवाद।

आज के लिए वचन

भजन 37:23–24 मनुष्य की गति यहोवा की ओर से दृढ़ होती है, और उसके चलन से वह प्रसन्न रहता है; चाहे वह गिरे तौभी पड़ा न रह जाएगा, क्योंकि यहोवा उसका हाथ थांभे रहता है।

नीतिवचन 24:16 क्योंकि धर्मी चाहे सात बार गिरे तौभी उठ खड़ा होता है; परन्तु दुष्ट लोग विपत्ति में गिरकर पड़े ही रहते हैं।

जो लोग नरक में प्रतीति नहीं करते वे शायद उतने हानिकारक न हों जितने वे लोग जो प्रतीति करते हैं और दूसरों को उसके बारे में चेतावनी देने की ज़रा सी भी परवाह नहीं करते

ऐसा कौन सा परमेष्वर होगा जिसने अपने एकलौते पुत्र को आपकी ख़ातिर एक क्रूर क्रूस पर ऐसी वस्तु के लिए मरने के लिए भेजा जो अस्तित्व में है ही नहीं? मेरे मित्र, एक नरक है! आग की झील में परमेष्वर से अनन्त अलगाव, वह स्थान जो मृत्यु और दृष्टात्माओं के साथ साथ उन मनुष्यों का भी घर होगा जो अवसर रहते हुए भी यीषु को अपना प्रभु मानने से इनकार कर देंगे।

गवाह बनना प्रत्येक विष्वासी का कर्त्तव्य है, नरक की दहषत का नहीं, बल्कि स्वर्ग की आषीषों का गवाह और इसका भी कि वहां कैसे पहुंचना है। जो लोग नरक में प्रतीति नहीं करते वे शायद उतने हानिकारक न हों जितने वे लोग जो प्रतीति करते हैं और दूसरों को उसके बारे में चेतावनी देने की ज़रा सी भी परवाह नहीं करते। हम, जिनके पास ज्योति है, अवष्य है कि इस ज्योति को दूसरों के लिए अनन्त जीवन के मार्ग में प्रकाषमान करें। क्या आप अपनी भूमिका निभा रहे हैं?

आज के लिए प्रार्थना
हे पिता, आज लोगों के प्राण खतरे में हैं। मजदूरों की आवष्यकता है। दिलों को कटनी के लिए तैयार करें और मुझे खेतों में भेजें। द्वार खोलें और बोलनें के लिए मुझे सही शब्द दें। मैं मसीह के सुसमाचार से लज्जित नहीं होऊँगा।

आज के लिए वचन
प्रकाषितवाक्य 20:15 और जिस किसी का नाम जीवन की पुस्तक में लिखा हुआ न मिला, वह आग की झील में डाला गया।।

लूका 10:2 और उस ने उन से कहा; पक्के खेत बहुत हैं; परन्तु मजदूर थोड़े हैं: इसलिये खेत के स्वामी से बिनती करो, कि वह अपने खेत काटने को मजदूर भेज दे।

रोमियों 1:16 क्योंकि मैं सुसमाचार से नहीं लजाता, इसलिये कि वह हर एक विश्वास करनेवाले के लिये, पहिले तो यहूदी, फिर यूनानी के लिये उद्धार के निमित्त परमेश्वर की सामर्थ है।

आपके जीवन के लिए परमेष्वर की आषीषों का खजाना आपके जीवन के लिए परमेष्वर की इच्छा के खेत में ही मिलता है

परमेष्वर के पास आपके जीवन के लिए इच्छा और उद्देष्य है, एक फलदायी खेत जिसमें आपको बढ़ना है। प्रत्येक व्यक्ति और उद्यम के लिए आषीषों और प्रावधान का एक स्थान है। अब्राहाम ने परमेष्वर को "यहोवा यिरे" नाम दिया। इस नाम की साधारण समझ "परमेष्वर मेरा प्रबन्धक है" से भी बढ़कर इस नाम का एक वास्तविक अर्थ है। "यहोवा के पर्वत पर प्रावधान किया जाएगा।"

परमेष्वर ने हमारे लिए उस स्थान पर सारे प्रावधान किए हैं जहां वह चाहता है कि हम अपने जीवन के प्रत्येक मौसम में रहें। आपके जीवन के लिए परमेष्वर की आषीषों का खजाना आपके जीवन के लिए परमेष्वर की इच्छा के खेत में ही मिलता है। तथापि, याद रखें, समाधान भूगौलिक क्षेत्र बदलने से नहीं होगा। बदलाव की आवष्यकता शायद आपके स्वभाव या आपकी कृतज्ञता में है।

आज के लिए प्रार्थना
हे परमेष्वर, मैं अपने जीवन के लिए आपकी इच्छा के केन्द्र में रहना चाहता हूँ। मुझसे बात करें और मुझे

दिखाएं कि आप मुझे कहां रखना चाहते हैं, कैसे रखना चाहते हैं, और क्या करवाना चाहते हैं। मुझे स्वप्न और दर्षन दें, अपने वचन के द्वारा और अपने आत्मा के द्वारा मुझसे बात करें। मेरे लिए अपनी इच्छा की पुष्टि करें।

आज के लिए वचन

उत्पत्ति 22:14 और इब्राहीम ने उस स्थान का नाम यहोवा यिरे रखाः इसके अनुसार आज तक भी कहा जाता है, कि यहोवा के पहाड़ पर उपाय किया जाएगा।

1 राजा 17:9 कि चलकर सीदोन के सारपत नगर में जाकर वहीं रह सुन, मैं ने वहां की एक विधवा को तेरे खिलाने की आज्ञा दी है।

भजन 84:11 क्योंकि यहोवा परमेश्वर सूर्य और ढाल है; यहोवा अनुग्रह करेगा, और महिमा देगा; और जो लोग खरी चाल चलते हैं; उन से वह कोई अच्छा पदार्थ रख न छोड़ेगा।

हमारे करिष्में हमें परमेष्वर की दृष्टि में मूल्यवान नहीं बनाते, बल्कि हमारा चरित्र बनाता है

करिष्माई नाम उन लोगों को दिया जाता है जो जीवन्त और ज्वलंत होते हैं। उनकी मुस्कुराहट, उनका आत्मविष्वास, इस बात का ज्ञान कि वे कहां जा रहे हैं और समझ कि वहां कैसे जाना है, ये कुछ कारण हैं जिनके कारण लोग उनके आसपास रहना पसंद करते हैं। करिष्माई लोग अनुयायी वर्ग का आवाहन करते हैं।

तथापि, हमारे करिष्में हमें परमेष्वर की दृष्टि में मूल्यवान नहीं बनाते, बल्कि हमारा चरित्र बनाता है। हालाँकि करिष्में हमें सफलता, पहचान, या स्वीकृति के कुछ स्तर तक पहुंचने में सहायता कर सकते हैं, परन्तु वहां बने रहने के लिए चरित्र की आवष्यकता होती है। चरित्र निर्माण के लिए पसंदीदा गुणों के बाहरी दिखावे के स्थान पर ईमानदारी, सत्यनिष्ठा, वफादारी और मसीही सदाचार के लिए भीतरी समर्पण की आवष्यकता पड़ती है। चरित्र का अर्थ है कि परमेष्वर हमें कैसे देखता है।

आज के लिए प्रार्थना

हे पिता, आज मेरी प्रार्थना है कि मैं अपनी सब बातों और कामों में आपको प्रसन्न करने वाला बनूं। मैं आपके सामने प्रण करता हूँ कि मैं मसीह जैसा चरित्रवान बनूंगा। जीवन के हालातों के कारण मैं अपने प्रतिउत्तर नहीं बदलूंगा। मेरी सहायता करें कि मैं न तो ठोकर खाऊँ और न ही गिरूँ। मेरे हृदय को अपना घर बना लें।

आज के लिए वचन

मत्ती 23:26—28 हे अन्धे फरीसी, पहिले कटोरे और थाली को भीतर से मांज कि वे बाहर से भी स्वच्छ हों। हे कपटी शास्त्रियों, और फरीसियों, तुम पर हाय; तुम चूना फिरी हुई कब्रों के समान हो जो ऊपर से तो सुन्दर दिखाई देती हैं, परन्तु भीतर मुर्दों की हड्डियों और सब प्रकार की मलिनता से भरी हैं। इसी रीति से तुम भी ऊपर से मनुष्यों को धर्मी दिखाई देते हो, परन्तु भीतर कपट और अधर्म से भरे हुए हो।

कभी कभी कोई व्यक्ति जो सबसे भक्तिपूर्ण काम कर सकता है वह है झपकी लेना

पूरी बाइबल में, परमेष्वर प्रोत्साहित करता है, यहां तक कि आदेष भी देता है, कि उसकी संतान इस बात को पहचान लें कि उन्हें बीच बीच में विश्राम और आराम की आवष्यकता है। जीवन की व्यस्त दिनचर्या से मन और शरीर को तरोताज़ा करने का सर्वोत्तम तरीका है, एक अवकाष।

मनुष्य के इतिहास में पहले कभी लोग इतने व्यस्त नहीं हुए थे, लोग एक काम से दूसरे काम में इधर उधर भागते रहते हैं, यह मानते हुए कि बहुत जल्दी एक दिन सबकुछ थम जाएगा। इस सारी भागदौड़ के साथ

साथ नौकरी, स्कूल, परिवार, खर्चे और सामाजिक जीवन के दबाव जुड़ जाते हैं। क्या इसमें कोई हैरानी की बात है कि आजकल तनाव से संबंधित मानसिक और शारीरिक बीमारियां बहुत ज्यादा बढ़ गई हैं। कभी कभी कोई व्यक्ति जो सबसे भक्तिपूर्ण काम कर सकता है वह है झपकी लेना। अवकाष लें! यह परमेष्वर का तरीका है।

आज के लिए प्रार्थना

हे पिता, मेरे व्यक्तिगत विश्राम और आराम के क्षेत्र में आपकी बुद्धि को अनुमति न देने के लिए मुझे क्षमा कर दें। मेरी सहायता करें कि मैं भागदौड़ से अवकाष लूँ और इस जीवन यात्रा का आनन्द उठाने के लिए सार्थक समय अलग करूँ और अगले चरण के लिए तरोताज़ा हो जाऊँ। मेरे तनाव को दूर करें और मेरे जीवन को अपनी शांति से भर दें।

आज के लिए वचन

मत्ती 11:28 हे सब परिश्रम करनेवालों और बोझ से दबे लोगों, मेरे पास आओ; मैं तुम्हें विश्राम दूंगा।

लूका 10:39—42 और मरियम नाम उस की एक बहिन थी; वह प्रभु के पांवों के पास बैठकर उसका वचन सुनती थी। पर मार्था सेवा करते करते घबरा गई और उसके पास आकर कहने लगी; हे प्रभु, क्या तुझे कुछ भी सोच नहीं कि मेरी बहिन ने मुझे सेवा करने के लिये अकेली ही छोड़ दिया है? सो उस से कह, कि मेरी सहायता करे। प्रभु ने उसे उत्तर दिया, मार्था, हे मार्था; तू बहुत बातों के लिये चिन्ता करती और घबराती है। परन्तु एक बात अवश्य है, और उस उत्तम भाग को मरियम ने चुन लिया हैः जो उस से छीना न जाएगा।

भजन 127:2 तुम जो सवेरे उठते और देर करके विश्राम करते और दुःख भरी रोटी खाते हो, यह सब तुम्हारे लिये व्यर्थ ही है; क्योंकि वह अपने प्रियों को योंही नींद दान करता है।